

---

# Shri Durgapratahsmaranastotram

---

## श्रीदुर्गाप्रातःस्मरणस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Durga Pratahsmarana Stotra

File name : durgAprAtaHsmaraNam.itx

Category : devii, suprabhAta, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : Madhura Bal madhurabal11 gmail.com

Proofread by : Madhura Bal madhurabal11 gmail.com

Latest update : August 15, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदुर्गाप्रातःस्मरणस्तोत्रम्



प्रातः स्मरन्निदमहं गिरिराजकन्या-

मार्त्तार्त्तिमोचनचणस्मरणां विनीतः ।

आवेदयामि करुणामृतपूरवर्षै-

राप्लावयाशु जनमार्त्तमिमं प्रपन्नम् ॥ १ ॥

प्रातर्नमन्निदमहं विनिवेदयामि

श्रीमेनकेक्षणचकोरसुधांशुलेखाम् ।

शिष्टान्यहानि मम सन्तु पवित्रितानि

त्वत्पादचिन्तनसमाहितहृद्विलासैः ॥ २ ॥

प्रातर्भजन्नहमवाप्तसमस्तकामां

कामान्तकारिमहिलां महितां हिताय ।

मातर्जहीहि मम वाञ्छितसंविधाने-

ऽवज्ञां कृताञ्जलिरिदं विनिवेदयामि ॥ ३ ॥

श्लोकत्रयं विरचितं यमिना प्रबोधा-

नन्देन नन्दयतु शश्वदिदं प्रसन्नम् ।

श्रीमन्महेशानयनोन्मदभृङ्गमाला


लास्यास्पदाम्बुजमुखीकरुणैकपात्रान् ॥ ४ ॥

इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्वामिप्रकाशानन्दपुरीविरचितं

दुर्गाप्रातःस्मरणस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Madhura Bal madhurabal11 gmail.com

pdf was typeset on January 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

